नृत्य विभाग

महाविद्यालय में नृत्य विभाग की स्थापना सन् 1982–83 में हुई। इसी वर्ष से नृत्यकला को स्नातक स्तर पर ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाया जाने लगा। इसके पूर्व शासकीय स्ना. कन्या महाविद्यालय, मोती तबेला, इन्दौर में ही नृत्य के शिक्षण का कार्य होता था। श्री भगवती प्रसाद मिश्रा सहायक प्राध्यापक ने सर्वप्रथम विषय के शिक्षण का कार्य प्रारम्भ किया, तत्पश्चात् डॉ. श्रीमती सुधा सिंह की सहायक प्राध्यापक नृत्य पद पर नियुक्ति हुई।

मध्यप्रदेश शासन के आदेश क्रमांक 1516/375/उ.शि.सं./योजना/89 दिनांक 06.10.1989 के अनुसार महाविद्यालय में नृत्य विषय में स्नातकोत्तर कक्षाओं का प्रारम्भ हुआ। हमारे लिए यह अत्यन्त गौरव का विषय है कि यह प्रदेश का एकमात्र है जहाँ नृत्य विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण कार्य होता है।

विभाग में एक प्राध्यापक दो सहायक प्राध्यापक तथा एक तबला संगतवादक का पद शासन द्वारा स्वीकृत है। डॉ. अंजना चौरसिया एवं श्रीमती योगिता मण्डलिक अतिथि व्याख्याता नृत्य पद पर कार्यरत है।

वर्तमान में विभाग में डॉ. सुचित्रा हरमलकर सह–प्राध्यापक नृत्य (नियुक्ति दिनांक 25.09.1993) तथा श्री पुरुषोत्तम पाटीदार (सन् 1992 से) तबला संगत वादक के पद पर कार्यरत श्री रामअवतार अखंड "प्रयोगशाला परिचर, हारमोनियम वादक के पद पर करीब 23 वर्षों तक विभाग से सम्बन्ध रहे परन्तु अब वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

स्नातकोत्तर स्तर पर नृत्य (कथक) में एम.ए. की उपाधि प्राप्त करने हेतु इन्दौर शहर की ही नहीं अपितु अन्य शहरों की छात्राएँ भी महाविद्यालय में प्रवेश लेती रही हैं। अभी तक कई छात्राओं ने स्वाध्यायी छात्रा के रूप में यहाँ से एम.ए. की उपाधि अर्जित की है।

शासकीय नृत्य के उत्कृष्ट एवं गहन प्रशिक्षण के कारण यहाँ की छात्राओं के नृत्य प्रदर्शन में स्तरीय कुशलता स्पष्ट दिखलाई देती है। स्थानीय महाविद्यालयों में होने वाली अन्तर्महाविद्यालयीन नृत्य प्रतियोगिता में विभाग की छात्राओं ने एकाधिक पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। शासन द्वारा आयोजित युवा महोत्सव में विभाग की छात्राओं का वर्चस्व पिछले कई वर्षों से लगातार बना हुआ है। एकल शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में यहाँ की छात्राएँ 15 में से 13 बार जिला स्तर हेतु, 8 बार पश्चिम क्षेत्र हेतु, 7 बार रज्य स्तर हेतु चयनित हुई, जिसमें से 5 बार छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर जाकर विजेता होने का महत्ती गौरव भी हासिल किया है। 6 बार छात्राएँ राज्य स्तर पर पुरस्कृत हुई। समूह लोक नृत्य में भी यहाँ की छात्राएँ जिला एवं राज्य स्तर पर चयनित होती रही है। सन् 2017 एवं 2018 लगातार हर वर्ष विभाग की छात्राओं ने एकल शास्त्रीय नृत्य विधा में राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर विजेता होने का सम्मान प्राप्त किया है।

वर्तमान में विभाग के पास $18 \times 30 = 540$ वर्ग फिट का एक बड़ा हॉल व उससे लगा हुआ एक छोटा कमरा उपलब्ध है। पुस्तकालय में विषय की करीब 100 पुस्तकें हैं। नृत्य से सम्बन्धित उपकरण, तबला, पखावज, हार्मोनियम, लहरा पेटी आदि तथा नृत्य (लोक) प्रदर्शन हेतु नृत्य की तैयार पौशाखें तथा नृत्य में पहने जाने वाले आभूषण भी विभाग में मौजूद हैं।सन् 2013–14 में विभाग की दो भूतपूर्व छात्राओं को नृत्य की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति हेतु चुना गया जो 2000/– प्रतिमाह दो वर्षों के लिए दी जाती है।

नृत्य विषय का शिक्षण केवल छात्राओं को भारतीय संस्कृति से परिचित करवाता है अपितु उनके सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भ्मिका निभाता है।

नृत्य में कुशलता प्राप्त करने के साथ यहाँ की छात्राएँ स्वरोजगार की दिशा म भी अग्रसर हुवी है। कुछ छात्राएँ स्वतः की संस्था के माध्यम से शास्त्रीय नृत्य के प्रचार प्रसार में लगी हुई है, इसके अलावा लगभग 80 प्रतिशत छात्राएँ शहर तथा शहर के बाहर प्रतिष्ठित विद्यालयों में नृत्य शिक्षिका के रूप में कार्य कर रही है।

वर्तमान सत्र 2018–19 में स्नातक स्तर 21 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 17 छात्राएँ अध्ययनरत् है।

Objection –

Dance as a subject has several dimensions to it. The dept. of Dance thrives to explore and deliver to its students a detailed study of all. The aim is to not only make the students well versed with the practical side to that they understand completely the depth of their roots. More ever to provide them with an opportunity to be self sufficient and professionally capable of building a future for themselves with their knowledge of dance.

Name of the Dept. : Dance

Year of Establishment : 1983
P.G. course started in 1989

Name of courses offered : U.G.
P.G.

History of the Dept. :

Faculty Profile with name, qualification, designation, specialization

	Name	Qualification	Designation	No. of years of experience	No. of Ph.D. students guided in	Any other
1.	Dr. Suchitra Harmalkar	M.A., Ph.D. Dance M.A. Sociology 6 Years diploma in dance	Associate Professor	25 Years 04 Months	08	Research guide. 3 students awarded Ph.D.
2.	Smt. Yogita Mandlik	M.A. Dance 8 Years diploma in dance	Guest Faculty	09 Years	-	NET Qualified, Submitted her research work for Ph.D.
3.	Anjana Chourasia	M.A., M.Phil, Ph.D. Dance B.Ed. 6 Years diploma in Tabla & Vocal	Guest Faculty	05 Years	-	NET Qualified

Students Profile Year 2017-18 (Strength, Result %)

Name of the Course	Enrolled	Pass	Pass Percentage
U.G.	08	06	80%
P.G.	04	04	100%

- **<u>Facilities</u>** – Departmental library, technical research facility, remedial classes, exercise room, dance related accessories, placement cell.

- **<u>Events</u>** – (Events & Photo)

2019

Contact:-email- ngdcdanceindore@gmail.com

Thank You